Govt. Shahid Gendsingh College,Charama
Distt- Uttar Bastar Kanker (CG)
(Affiliated to Shaheed Mahendra Karma University,Jagdalpur. Chhattisgarh)

Webinar

Organised by Department of Economics

International Peace Day

Moderator

R. S. Chandrawanshi

Asstt. Professor (Economics)

Patron

Dr. K. K. Markam

Principal

Keynote Speaker

Dr. Surender Kulshrestha

Asstt. Professor (Economics)

Vardhman Mahaveer Open University,Kota (Rajasthan)

21 September,2021 | **Time : From 06.00 PM**

To Join Click the below link

Google Meet Link : https://meet.google.com/neb-yxbv-syo

Website : www.govtcollegecharama.in

Email ID : gccharama1989@gmail.com

Mobile No. 9407727106,9340000753

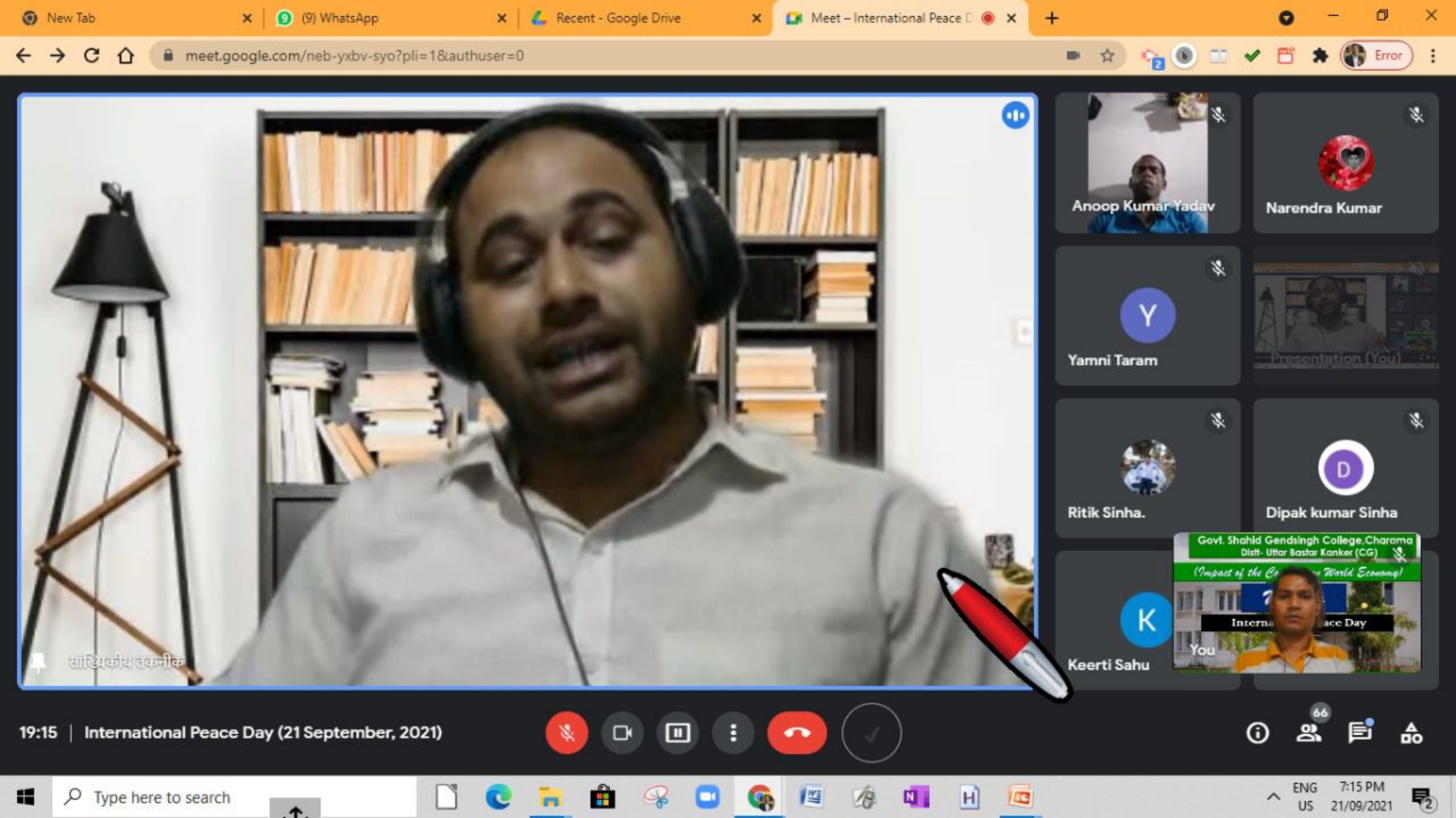
New Tab
(9) WhatsApp
Recent - Google Drive
Meet – International Peace
meet.google.com/neb-yxbv-syo?pli=1&authuser=0
Error
Anoop Kumar Yadav
Narendra Kumar
Yamni Taram
Presentation (You)
Ritik Sinha.
Dipak kumar Sinha
Govt. Shahid Gendsingh College,Charama
Distt- Uttar Bastar Kanker (CG)
You
Keerti Sahu
19:15 | International Peace Day (21 September, 2021)
66
Type here to search
ENG
US
7:15 PM
21/09/2021

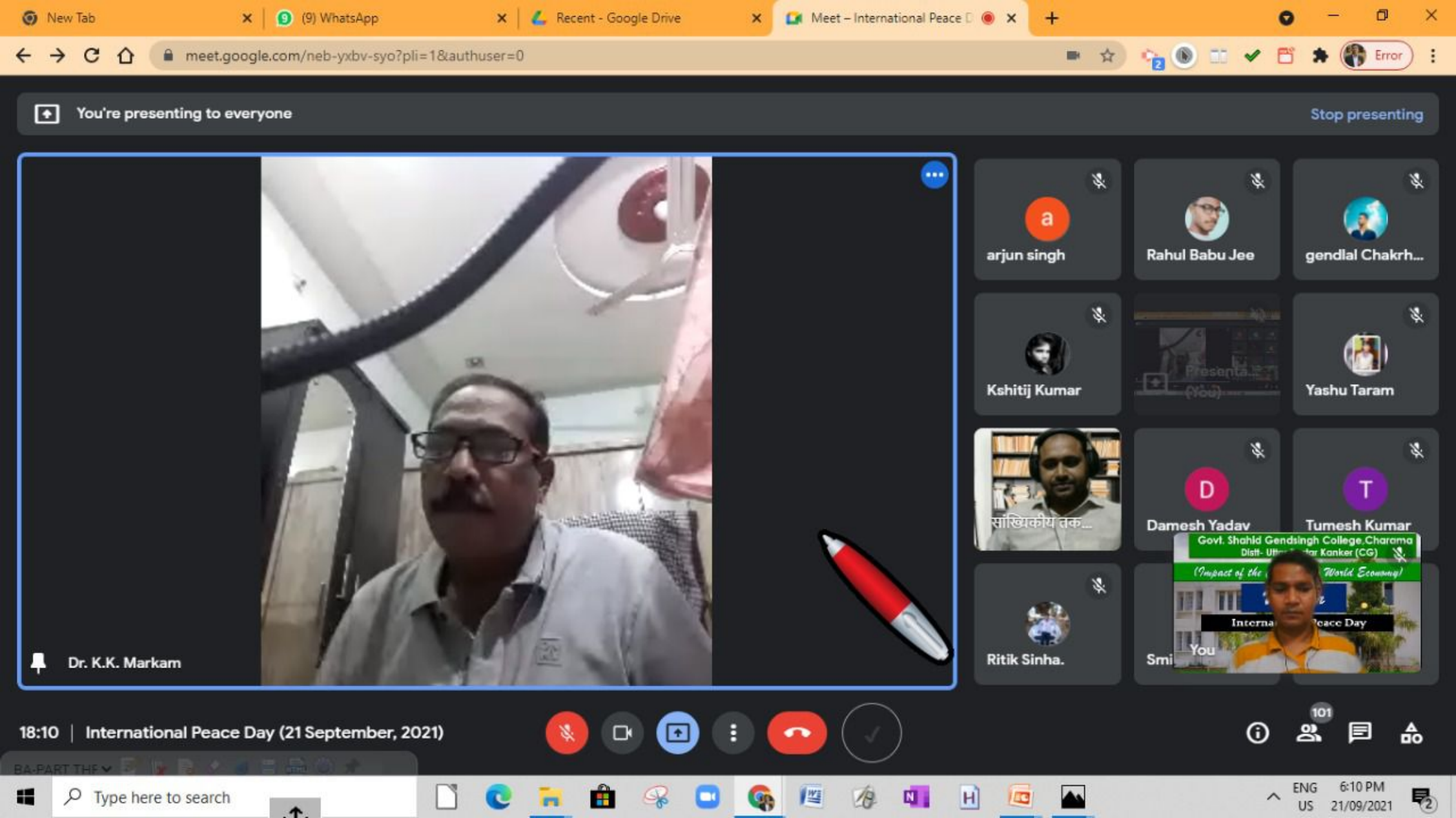

New Tab
(9) WhatsApp
Recent - Google Drive
Meet – International Peace D
meet.google.com/neb-yxbv-syo?pli=1&authuser=0
Error
You're presenting to everyone
Stop presenting
Dr. K.K. Markam
arjun singh
Rahul Babu Jee
gendlal Chakrh...
Kshitij Kumar
Yashu Taram
साख्यिकीय तक...
Damesh Yadav
Tumesh Kumar
Ritik Sinha.
Govt. Shahid Gendsingh College,Charama
You
18:10
International Peace Day (21 September, 2021)
101
Type here to search
ENG
US
6:10 PM
21/09/2021

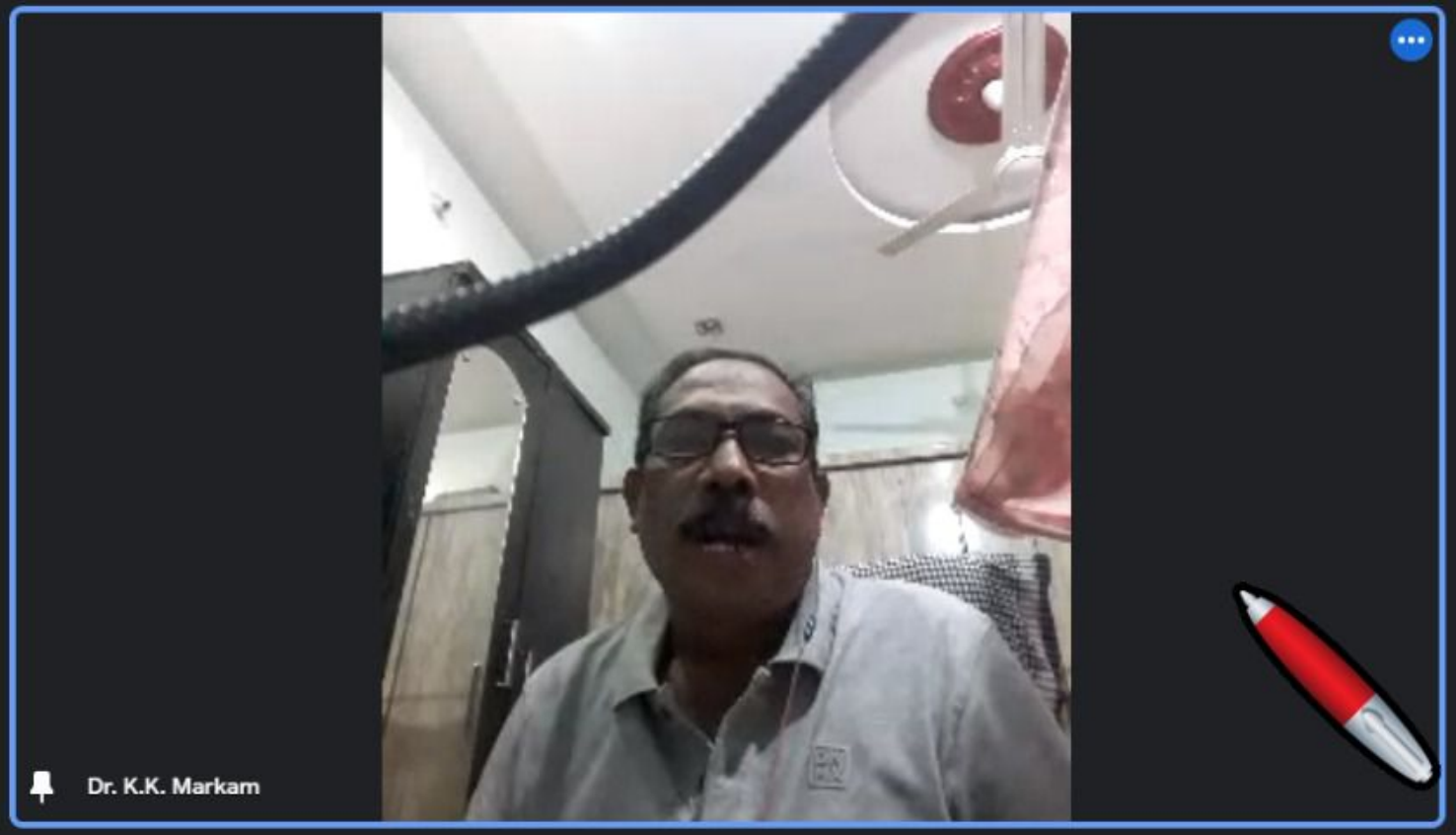

New Tab
(9) WhatsApp
Recent - Google Drive
Meet – International Peace D
meet.google.com/neb-yxbv-syo?pli=1&authuser=0
Error
You're presenting to everyone
Stop presenting
Dr. K.K. Markam
arjun singh
Rahul Babu Jee
gendlal Chakrh...
Kshitij Kumar
Presenta...
(You)
Yashu Taram
साख्यिकीय तक...
Damesh Yadav
Tumesh Kumar
Govt. Shahid Gendsingh College,Charama
Ritik Sinha.
You
18:10
International Peace Day (21 September, 2021)
101
Type here to search
ENG
US
6:10 PM
21/09/2021

अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस पर वेबिनार

चारामा (नईदुनिया न्यूज)। अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस के अवसर पर शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा. इम्पैक्ट आफ द कनफ्लिक्ट आन वर्ल्ड इकानोमी विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1981 में सर्वप्रथम अतरराष्ट्रीय शांति दिवस मनाया गया। 2001 से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आपसी संघर्ष को समाप्त कर, आपसी प्रेम, सौहाद्र एवं भाईचारे को प्रोत्साहित करने के लिए 21 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस मनाया जाता है।

अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी जो इस वेबिनार के माडरेटर थे। उन्होंने सर्वप्रथम शांति की परिभाषा, शांति के प्रकार, आदिम युग से आधुनिक युग तक आपसी संघर्षो में हुए परिवर्तन, 1960 से भारत सरकार के रक्षा बजट की प्रवृत्तियों और वर्तमान समय में आर्थिक विकास व संपोषित विकास के लिए शांति की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। वेबिनार के मुख्य वक्ता डा. सुरेंदर कुमार कुलश्रेष्ठ, वधर्मान महावीर ओपन विश्वविद्यालय, कोटा, राजस्थान थे। अपने व्याख्यान में डा. कुलश्रेष्ठ ने शांति और अहिंसा स्थापना के क्षेत्र में भगवान महावीर, गौतम बुद्ध और महात्मा गाँधी द्वारा किये गये प्रयासों की व्याख्या की।

उन्होंने पुनर्जागरण काल के पूर्व और बाद में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मानव जीवन के क्षेत्र में हुए परिवर्तनों का शांति और अहिंसा में क्या महत्व रहा उसके बारे में और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्पन्न संघर्षो के कारण किस प्रकार से अर्थव्यवस्था को नुकसान हुआ है, उसकी विस्तृत व्याख्या की। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डा. केके मरकाम ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत आरंभ से ही शांति का अग्रदूत रहा है। रामायण काल हो या महाभारत का शांतिपर्व, अशोक का कलिंग युद्ध, चंद्रगुप्त, भगवान बुद्ध, महावीर स्वामी, गुरूनानक, गांधी एवं जवाहरलाल नेहरू का पंचशील सिद्धांत हो या टैगोर का शांति निकेतन, ये सभी शांति के पुजारी रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय आंतकवाद, नशीले पदार्थो का व्यापार, लघु शस्त्रों का प्रसार, जैविक एवं रासायनिक हथियारों पर प्रतिबंध शांति स्थापना की दिशा में एक ठोस कदम होगा।

डा. मरकाम ने नोबेल पुरस्कार विजेता मदर टेरेसा के कथन को उद्धृत करते हुए कहा कि, शांति की शुरूआत मुस्कान से होती है। इस वेबिनार में विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के अतिरिक्त शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा के सुधीर कुमार साहू, धर्मेंद्र सिन्हा, अनूप कुमार यादव, शासकीय नवीन महाविद्यालय पाली के प्रो. टीकाराम कश्यप, शासकीय महाविद्यालय अंतागढ़ के प्रो. दीपक देवांगन, शासकीय महाविद्यालय निवास, जिला. मंडला मध्यप्रदेश के प्रो. अजय कछवाहा सम्मिलित हुए।

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस पर वेबिनार का आयोजन

चारामा। अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस पर शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय, चारामा के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा-इम्पैक्ट ऑफ द कनफ्लिक्ट ऑन वर्ल्ड इकॉनोमी विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया।

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1981 में सर्वप्रथम अतर्राष्ट्रीय शांति दिवस मनाया गया। 2001 से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आपसी संघर्ष को समाप्त कर, आपसी प्रेम, सौहाद्र एवं भाईचारे को प्रोत्साहित करने हेतु 21 सितम्बर को अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2021 का अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस की थीम -रिकवरिंग बेटर फॉर एन इक्विटेबल एंड सस्टेनेबल वर्ल्ड है। यह थीम बताती है कि करोना महामारी से पूरी दुनिया धीरे-धीरे उबर रही है, ऐसे समय में समान और संपोषित विश्व को साथ लेकर मानव जीवन को और बेहतर करने के लिए प्रयास की आवश्यकता है। अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी जो इस वेबिनार के मॉडरेटर थे, उन्होने सर्वप्रथम शांति की परिभाषा, शांति के प्रकार, आदिम युग से आधुनिक युग तक आपसी संधर्षों में हुए परिवर्तन, 1960 से भारत सरकार के रक्षा बजट की प्रवृत्तियों और वर्तमान समय में आर्थिक विकास एवं संपोषित विकास हेतु शांति की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

वेबिनार के मुख्य वक्ता डॉ. सुरेंदर कुमार कुलश्रेष्ठ, वर्धमान महावीर ओपन विश्वविद्यालय, कोटा, राजस्थान थे। अपने व्याख्यान में डॉ. कुलश्रेष्ठ ने शांति और अहिंसा स्थापना के क्षेत्र में भगवान महावीर, गौतम बुद्ध और महात्मा गाँधी द्वारा किये गये प्रयासों की व्याख्या की।

हरिभूमि

रायपुर - कांकेर भूमि

23 Sep 2021

इम्पैक्ट ऑफ द कनफ्लिक्ट ऑन वर्ल्ड इकॉनामी विषय पर वेबिनार

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में हुआ बेबिनार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चारामा

शासकीय गेंदसिंह महाविधालय चारामा में 21 सितम्बर को अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस के अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग द्वारा-इम्पैक्ट ऑफ द कनफ्लिक्ट ऑन वर्ल्ड इकॉनोमी विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया।

आयोजित बेबीनार के मुख्य वक्ता वर्धमान महावीर ओपन विश्वविद्यालय कोटा,राजस्थान के डॉ. सुरेंदर कुमार कुलश्रेष्ठ ने शांति और अहिंसा स्थापना के क्षेत्र में भगवान महावीर, गौतम बुद्ध और महात्मा गाँधी द्वारा किये गये प्रयासों की व्याख्या की। उन्होने पुनर्जागरण काल के पूर्व और बाद में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मानव जीवन के क्षेत्र में हुए परिवर्तनों का शांति और अहिंसा में क्या महत्व रहा उसके बारे में और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्पन्न संघर्षों के कारण किस प्रकार से

अर्थव्यवस्था को नुकसान हुआ है, उसकी विस्तृत व्याख्या की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केके मरकाम ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत आरंभ से ही शांति का अग्रदूत रहा है। रामायण काल हो या महाभारत का शांतिपर्व, अशोक का कलिंग युद्ध, चंद्रगुप्त, भगवान बुद्ध, महावीर स्वामी, गुरूनानक, गाँधी एवं जवाहरलाल नेहरू का पंचशील सिद्धांत हो या टैगोर का शांति निकेतन, ये सभी शांति के पुजारी रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय आंतकवाद, नशीले पदार्थों का व्यापार, लुघु शस्त्रों का प्रसार, जैविक एवं रासायनिक हथियारों पर प्रतिबंध शांति स्थापना की दिशा में एक ठोस कदम होगा। डॉ. मरकाम ने नोबेल पुरस्कार विजेता मदर टेरेसा के कथन को उद्धृत करते हुए कहा कि, शांति की शुरूआत मुस्कान से होती है। अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी जो इस वेबिनार के मॉडरेटर थे, उन्होने सर्वप्रथम शांति की परिभाषा, शांति के प्रकार, आदिम युग से आधुनिक युग तक आपसी संघर्षों में हुए परिवर्तन, 1960 से भारत सरकार के रक्षा बजट की प्रवृत्तियों और वर्तमान समय में आर्थिक विकास एवं संपोषित विकास हेतु शांति की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

वेबिनार में विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के अतिरिक्त शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा के सुधीर कुमार साहू, धर्मेंद्र सिन्हा, अनूप कुमार यादव, शासकीय नवीन महाविद्यालय पाली के प्रो. टीकाराम कश्यप, शासकीय महाविद्यालय अंतागढ़ के प्रो. दीपक देवांगन, शासकीय महाविद्यालय निवास, जिला-मंडला मध्यप्रदेश के प्रो. अजय कछवाहा सम्मिलित हुए थे।

कार्यक्रम : अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस मना

अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस के अवसर पर वेबिनार का हुआ आयोजन

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

चारामा. शासकीय गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा में अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस के अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग द्वारा इम्पैक्ट ऑफ द कनफ्लिक्ट ऑन वर्ल्ड इकॉनोमी विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। इस दौरान बताया गया कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 1981 में सर्वप्रथम अतरराष्ट्रीय शांति दिवस मनाया गया। 2001 से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आपसी संघर्ष को समाप्त कर, आपसी प्रेम, सौहार्द्र एवं भाईचारे को प्रोत्साहित करने 21 सितम्बर को अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस

के रूप में मनाया जाता है।

वर्ष 2021 का अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस की थीम रिकवरिंग बेटर फॉर एन इक्विटेबल एंड सस्टेनेबल वर्ल्ड है। यह थीम बताती है कि कोरोना महामारी से पूरी दुनिया धीरे-धीरे उबर रही है। ऐसे समय में समान और संपोषित विश्व को साथ लेकर मानव जीवन को ओर बेहतर करने के लिए प्रयास की आवश्यकता है। अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी जो इस वेबिनार के मॉडरेटर थे। उन्होंने सर्वप्रथम शांति की परिभाषा, शांति के प्रकार, आदिम युग से आधुनिक युग तक आपसी संघर्षों में हुए परिवर्तन, 1960 से भारत सरकार के रक्षा बजट की प्रवृत्तियों और वर्तमान समय में आर्थिक विकास एवं संपोषित विकास के लिए शांति की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। वेबिनार के मुख्य वक्ता डा. सुरेंदर कुमार कुलश्रेष्ठए वर्धमान महावीर ओपन विश्वविद्यालय, कोटा, राजस्थान थे। अपने व्याख्यान में डॉ. कुलश्रेष्ठ ने शांति और अहिंसा स्थापना के क्षेत्र में भगवान महावीर, गौतम बुद्ध और महात्मा गांधी द्वारा किए गए प्रयासों की व्याख्या की। उन्होंने पुनर्जागरण काल के पूर्व और बाद में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानव जीवन के क्षेत्र में हुए परिवर्तनों का शांति और अहिंसा में क्या महत्व रहा उसके बारे में और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्पन्न संघर्षों के कारण किस प्रकार से अर्थव्यवस्था को नुकसान हुआ है। उसकी विस्तृत व्याख्या की।

जैविक-रासायनिक हथियारों पर प्रतिबंध शांति स्थापना की दिशा में ठोस कदम

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केके मरकाम ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत आरंभ से ही शांति का अग्रदूत रहा है। रामायण काल हो या महाभारत का शांतिपर्व, अशोक का कलिंग युद्ध, चंद्रगुप्त, भगवान बुद्ध, महावीर स्वामी, गुरुनानक, गांधी एवं जवाहरलाल नेहरू का पंचशील सिद्धांत हो या टैगोर का शांति निकेतन ये सभी शांति के पुजारी रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद, नशीले पदार्थों का व्यापार, लघु शस्त्रों का प्रसार, जैविक एवं रासायनिक हथियारों पर प्रतिबंध शांति स्थापना की दिशा में एक ठोस कदम होगा। डॉ. मरकाम ने नोबेल पुरस्कार विजेता मदर टेरेसा के कथन को उद्धृत करते हुए कहा कि शांति की शुरुआत मुस्कान से होती है। इस वेबिनार में विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के अतिरिक्त शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा के सुधीर कुमार साहू, धर्मेंद्र सिन्हा, अनूप कुमार यादव, शासकीय नवीन महाविद्यालय पाली के प्रो. टीकाराम कश्यप, शासकीय महाविद्यालय अंतागढ़ के प्रो. दीपक देवांगन, जिला मंडला मध्य प्रदेश के प्रो. अजय कछवाहा थे।